>

Title: Need to rollback the proposed increase in excise duty on non-branded gold and import duty on gold in the country.

श्री पन्ना लाल पुनिया: महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर अपनी बात कहने का मौका दिया है। वर्ष 2012-13 के लिए माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है, वह प्रत्येक वर्ग के लिए बहुत ही अच्छा बजट है। केंद्र सरकार ने विकास को तेजी से बढ़ाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और स्थापना सुविधाओं पर विशेष जोर दिया है और इसके महत्व को समझा है। बजट के माध्यम से वित्त मंत्री जी ने नॉन ब्रांडेड स्वर्ण आभूषणों पर एक प्रतिशत एक्साइज कर तथा सोने के आयात पर कस्टम ड्यूटी लगा दी है, जिसके कारण पूरे देश के सर्राफा व्यापारियों में रोष है। देश भर से जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, संगठनों के प्रदर्शन तथा बंद आदि के माध्यम द्वारा इस कर तथा ड्यूटी को वापिस लेने के लिए अनुरोध और मांग की गई है। मेरे लोकसभा क्षेत्र बाराबंकी में भी लगभग एक महीने तक सर्राफा व्यापार बंद रहा।

मैं वित्त मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि आभूषणों का निर्माण घर-घर में होता है। सर्राफा व्यापार से लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। उन्हें सर्राफा बाजार में उथलपुथल के कारण आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नए प्रस्ताव से बेरोजगारी को बढ़ावा मिलेगा, भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा जो कि सरकार की आर्थिक सुधार नीति के बिल्कुल विपरीत है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं कि बजट में किए गए प्रस्ताव पर गंभीरता से पुनर्विचार किया जाए। सर्राफा बाजार व्यापारियों को राहत देने की घोषणा की जाए। मुझे पूरी उम्मीद है कि माननीय वित्त मंत्री जी बजट पास करते समय अपने जवाब में सर्राफा पर अतिरिक्त कर लगाने के प्रस्ताव को वापिस लेंगे।

सभापति महोदय: श्री पी.एल. पुनिया जी द्वारा उठाए गए मुद्दे के साथ

श्री महेन्द्र सिंह चौहान,

श्री जगदम्बिका पाल,

डॉ. किरीट पी. सोलंकी,

श्री वीरेन्द्र कश्यप,

श्री अर्जुन मेघवाल,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

*m8 श्री सतपाल महाराज और

श्री निखिल कुमार चौधरी को संबद्ध किया जाता है।